किस्मत का मारा हूँ | By Mukesh Bagda

किस्मत का मारा हूँ सांवरे प्यार की थोड़ी सी
झलक दिखा मेरे श्याम
सब झूठे रिश्तो को छोड़ के तेरी भक्ति की
अलख जगा मेरे श्याम

मेरी ज़िन्दगी में श्याम धोखे ही धोखे हैं
बर्बादियों के पल आते ही रहते हैं
अब हार के तेरी शरण मैं लेने आया हूँ
आज मुझे भी तार

सब जान कर भी तू चुपचाप बैठा है
कह दे के तेरा ये इन्साफ कैसा है
अब आज ना जाऊं डाल दे मेरी झोली में
भीख दया की श्याम

सुनता हूँ निर्धन के भण्डार भरते हो
भक्तों की नैया को भव पार करते हो
एक बार मुझ पर भी कृपा बरसा दे रे मोहन
बिगड़े बने मेरे काम

अब तो सिवा तेरे कोई चाह नहीं मुझको
दुनिया की अब कुछ भी परवाह नहीं मुझको
अब चौखट पे तेरी हर्ष की बीते रे कान्हा
जीवन की ये शाम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-by-mukesh-bagda/